आओ

आँखें तुम्हारी, ज्यूँ तारों भरा गगन।
केश तुम्हारे, ज्यूँ धूसर अवगुण्ठन-
हो ढलती शाम का - ये तुम्हारे कुन्तल।

सांस तुम्हारी - स्वच्छ षोडषी श्वास,
ज्यों दक्खिनी जीवनदायिनी उच्छ्वास,
ज्यूँ मन्द समीर, निद्रा-मग्न प्रसूनों बीच।

आओ, कि दिन है मृत और सर्द।
यह शारदीय रात, बिखरी अलकों वाली तुम
मुझ पर ज्यूँ झुकी है।
आओ और हो श्वास का तुम्हारी
स्पर्श मेरे चेहरे पर
आओ और करो स्पंदित अस्थिभूच्छित हृदय को –
इस पूनम की रात, तले तारों भरे आकाश।

Превод на индийски в превод на Мона Каушик